Dainik Bhaskar

75% candidates attended for JSSC CGL exam

रांची. झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने विभिन्न 1080 पदों के लिए रविवार को संयुक्त स्नातक स्तरीय नियुक्ति परीक्षा आयोजित की। परीक्षा राजधानी समेत सभी जिलों में हुई। आयोग ने पीटी के लिए दो लाख 36 हजार अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड जारी किए थे। आयोग के परीक्षा नियंत्रक एसएन सिंह ने बताया कि परीक्षा में लगभग 75 प्रतिशत अभ्यर्थी शामिल हुए।

झारखंड से जुड़े पूछे गए थे इतने सवाल

बता दें कि सभी जिलों से परीक्षा शांतिपूर्ण रही। परीक्षा में 150 में से 30 प्रश्न झारखंड से जुड़े पूछे गए थे। इससे राज्य के अभ्यर्थी खुश थे, क्योंकि इनके जवाब भी सरल थे। पूछा गया था कि राज्य की पहली राजभाषा कौन सी है। परीक्षा के बाद अभ्यर्थियों ने बताया कि जनरल स्टडी से 40, जनरल साइंस से 20, जनरल मैथ से 20, रीजनिंग से 20, कंप्यूटर से संबंधित 20 सवाल पूछे गए थे। रीजनिंग व कंप्यूटर के कुछ सवाल टफ थे। ज्ञात हो कि कि प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, सचिवालय सहायक व अंचल निरीक्षक पद पर नियुक्ति के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी।

राइटर नहीं मिलने से दिव्यांग नहीं दे सका परीक्षा

जमशेदपुर के दृष्टि बाधित रवि शास्त्री का परीक्षा केंद्र रांची कॉलेज था। उन्हें राइटर नहीं मिलने के कारण वे परीक्षा नहीं दे सके। रवि ने बताया कि जेएसएससी के नियमानुसार राइटर के पास इंटर से अधिक डिग्री और परीक्षा में 50 प्रतिशत से अधिक अंक नहीं होना चाहिए। आज 50 प्रतिशत तक मार्क्स वाले स्टूडेंट्स खोजना काफी टफ है। केंद्रीय स्तर की परीक्षाओं में ऐसी बाध्यता नहीं है। मैंने राज्य निशक्तता आयोग से गुहार लगाई थी। आयोग ने गंभीरता से लेते हुए

जीएस आसान, रीजनिंग टफ

बोकारो के मनीष के कुमार ने बताया कि जीएस के प्रश्न स्तरीय थे। झारखंड से संबंधित प्रश्न काफी आसान थे, जबकि रीजनिंग के जवाब देने में परेशानी हुई। इलाहाबाद के पवन कुमार मिश्र ने कहा, मुझे झारखंड के प्रश्नों के जवाब देने में परेशानी हुई। मोतिहारी के उमेश कुमार ने कहा, जनरल साइंस की अपेक्षा जनरल स्टडी के प्रश्नों का जवाब देना आसान था। झारखंड से संबंधित प्रश्नों का जवाब भी बेहद आसान था। दुमका के रेहान ने कहा, कुल मिलाकर स्नातक स्तरीय नियुक्ति परीक्षा में सवाल स्तरीय थे। राज्य के संबंधित सवालों का जवाब देना स्वाभाविक रूप से मेरे लिए आसान था।